परियोजना कार्य

इनके लिए किए जाने वाले उपाय

- ★ कागज और कपड़े की थैलियों में कपड़े, सब्जियाँ आ सकती हैं। हमें घर से कपड़े का थैला लेकर चलना चाहिए।
- ★ पानी के लिए स्टील की बोतल तथा ठंडे पेय पदार्थों के लिए काँच की दुबारा प्रयोग में आने वाली बोतलों का प्रयोग होना चाहिए।

(ख) सभी विद्यार्थी 'पयार्वरण बचाओ' विषय पर एक नुक्कड़ नाटक तैयार करें और उसकी प्रस्तुति विद्यालय प्रांगण में करें।

सूत्रधारः

पर्यावरण ही जीवन है।

अगर पर्यावरण सुरक्षित है, तो धरती सूरक्षित है।

आइए देखें आज की यह लघु नाटिका-

"पर्यावरण बचाओ- धरती बचाओ"

चार-पांच बच्चे खेल रहे हैं तभी उन्हें एक बहुत ही उदास बूढी औरत बैठी दिखाई देती है वह उसके पास जाते हैं और पूछते हैं अरे आप कौन हैं यहां क्यों चुपचाप बैठी है? आप उदास है?

आपके पास कोई बात करने के लिए नहीं है?

धरती मां--- मैं हूं धरती मां

बच्चे हैरान होते हैं

धरती मां? क्या आप सचमुच धरती मां है?

धरती मां कहती है हां मैं ही हूं धरती मां

(धरती माँ थकी और दुखी दिखाई देती हैं)

धरती माँः में धरती हूँ, तुम्हारी माँ।

मैंने तुम्हें जल दिया, वायु दी, अत्र दिया।

लेकिन तुम लोगों ने मेरे लिए क्या किया आज मेरा अस्तित्व खतरे में है क्योंकि तुम लोगों ने प्रदूषण को बेतहाशा बढ़ाया, वनों को काटा और मेरा सांस लेना भी दूभर कर दिय।

प्रदूषण ने मेरी साँसें रो दी हैं।

(प्रदूषण गर्व से हँसता हुआ प्रवेश करता है)

प्रदुषणः

मैं ही हूँ प्रदूषण!

कारखानों का धुआँ, प्लास्टिक का कचरा, वाहानों का धुआं, शोर, के ढेर, दम घोटू हवा और कटते जंगल-सब मेरी तकत हैं।

मैंने हवा, पानी और मिट्टी सब गंदे कर दिए हैं।

हा हा हा

द्वश्य 4ः बच्चों की चिंता

ओह! प्रदुषण ने ही हमारी धरती को बीमार कर दिया है।

आरव (गंभीर स्वर में)ः

इसीलिए इताना अकड़ रहा है क्योंकि हमने ही तो इसको इताना ताकतवर बनाया है

मोना -- अगर पर्यावरण नष्ट हो जाएगा।

द्वश्य5ः पेड़ की पुकर
(पेड़ प्रवेश करता है)
पेड़ः
मैं पर्यावरण का रक्षक हूँ।
मैं बिना कुछ माँगे जीवन देता हूँ।
पर मुझे काटा जा रहा है। मुझे बचाओ मुझे बचाओ मेरे बिना तुम्हारा जीवन संभव नहीं फिर भी तुम मुझे काटी जा रहे हो अगर मे। नहीं रहा तो तुम भी पहीं रहोगे धरती पर जीवन भी नहीं रहेगा प्लीज मुझे बचाओ मुझे बचाने में ही तुम्हारे जीवन की रक्षा है अगर हम हम नहीं रहेंगे तो धरती कैसे बचेगी?
धरती माँः
मेरे बच्चों, यदि तुम अपना और आने वाली पीढियां का जीवन बचाना चाहते हो और मुझे बचाना चाहते हो तो पर्यावरण को बचाओ इस प्रदूषण को हटाओ और धरती पर स्वस्थ जीवन की शुरूआत करो
तभी मेरी रक्षा हो पाएगी।
अनन्याः
अब हमें प्रदूषण को हटाना ही होगा।
आरवः
हाँ! हम पेड़ लगाएँगे,
प्लास्टिक का उपयोग कम करेंगे,
मोना -- पानी और बिजली बचाएँगे।
सभी एक साथ नारा लगाते हैंः
“पेड़ लगाओं, जीवन बचाओं!”
(पेड़ भी साथ खड़ा होता है)
“पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ!”
प्रदूषण (कमज़ोर स्वर में)ः
नहीं! अगर सभी जागरूक हो गए,
तो मैं टिक नहीं पाऊगा। मुझे भी कुछ करना होगाा। गुस्से में बाहर चला जाता है।
सूत्रधार --- बच्चो, पर्यावरण की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।
आज का संकल्प ही कल की सुरक्षित धरती बनेगा।
सभी पात्र एक साथ--
“स्वच्छ पर्यावरण -सुरक्षित धरती!”
स्वस्थ जीवन --- हरित धरती